मलखंभ में बच्चों ने दिखाए करतब, मिली सराहना

बिलासपुर। मलखंभ का खेल एक ऐसा खेल है, जिसमें खंभ के साथ खिलाड़ियों को मल करना होता है। इसके साथ ही रस्सी में लटकने वाले प्रतिद्वंदी स्वयं एक खिलाड़ी होते हैं, जिसके लिए किसी भी कोच की आवश्यकता उन्हें नहीं पड़ती है।

गुरुवार की दोपहर 12 बजे व्यापार विहार स्थित त्रिवेणी परिसर के प्रांगण में 32वीं सब जूनियर प्रथम और सब जूनियर द्वितीय बालक-बालिका राष्ट्रीय मल्लखंभ प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर उक्त बातें अटल बिहारी विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति गौरीदत्त शर्मा ने कही। मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि मल्लखंभ की प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ प्रदेश में पहली बार आयोज़ित की जा रही है। विश्वविद्यालय स्तर पर भी इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन पामगढ़ कालेज में होता है, जिसमें हिस्सा लेने वाली टीम को बाहर भेजा जाता है। बिलासपुर विश्वविद्यालय में खेल विभाग की स्थापना अलग से की गई है, जहां से प्रतिवर्ष खिलाड़ी बाहर खेलने जाते हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता का आयोजन बिलासपुर विवि की मेजबानी भी की जाती है। इस वर्ष विश्वविद्यालय के 3 टीम के खिलाड़ियों ने दूसरे प्रदेश में जाकर स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक हासिल किया है। उन्होंने कहा कि मल्लखंभ भारत का हजारों साल पुराना खेल है। इस खेल को ओलंपिक में भी शामिल करना चाहिए, लेकिन इसे शामिल नहीं किया जाता है। इसका कारण है कि कबड्डी भी भारत का खेल था, जिसे ओलंपिक में शामिल करने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सिंह चौहान ने कहा कि मल्लखंभ हजारों साल पुराना खेल है, लेकिन इस खेल को प्रदेश में होते हुए वे पहली बार देख रहे हैं। मल्लखंभ के खिलाड़ियों के लिए केन्द्र सरकार काम कर रही है, इसके लिए कोशिश की जाएगी कि इसे राज्य में भी शामिल किया जा सके। प्रदेश मल्लखंभ एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेमचंद शुक्ला ने प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि यह खेल विलुप्त हो गया था। मल्लखंभ फेडरेशन एसोसिएशन ने विलुप्त होते हुए खेल को आगे बढ़ाने का काम किया। यह मिट्टी का गेम और संस्कृति की देन है, जिसमें किसी तरह का मिलावट और बेईमानी नहीं हो सकती है। सरकार का भी इसमें काफी सहयोग प्राप्त होता है। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ मल्लखंभ फेडरेशन के सचिव राजकुमार शर्मा के अलावा संरक्षक अनिल टाह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद नायक, ताइक्वांडो संघ के प्रदेश महासचिव रामपुरी गोस्वामी, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मंडल खेल संघ के सचिव अमरनाथ सिंह, हेमंत सिंह परिहार, एमएफआई के अध्यक्ष डा. रमेश इन्डोलिया, सचिव डा. अजय झा, कोषाध्यक्ष दिलीप गवाने, पूर्व सचिव एनवी कुराणे, अनिल सिंग, सहित नेशनल और प्रदेश फेडरेशन के पदाधिकारी एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन आर मनुराज ने किया।

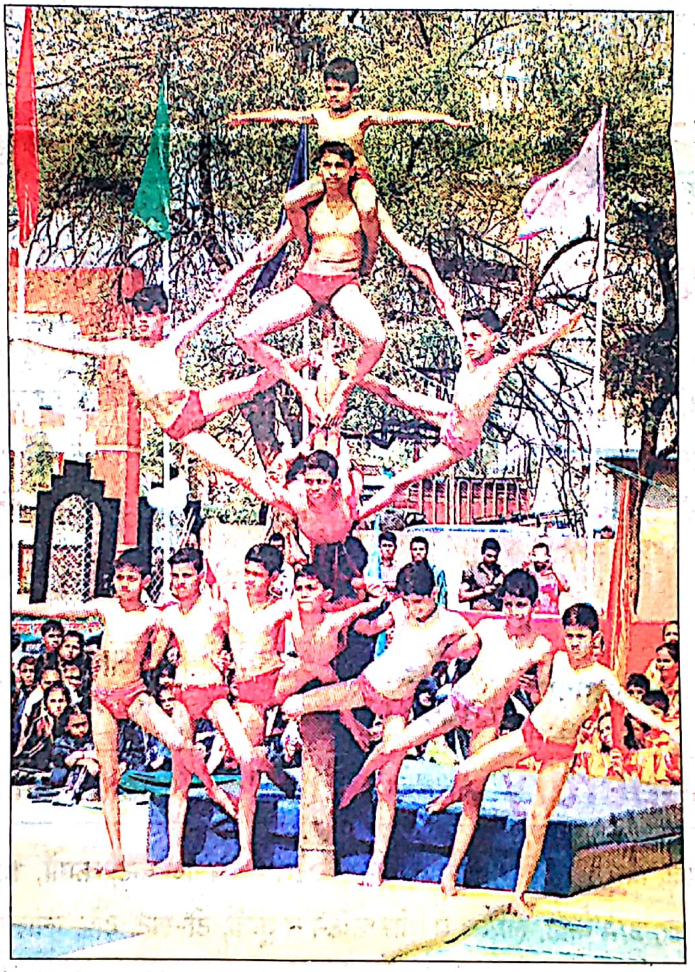

व्यापार विहार स्थित त्रिवेणी परिसर में मलखंभ पर करतब दिखाते बच्चे।

17 प्रदेश की टीमों ने लिया हिस्सा

32वीं राष्ट्रीय सब जूनियर प्रथम और सब जूनियर द्वितीय बालक-बालिक मल्लखंभ प्रतियोगिता में 22 राज्यों की टीम ने अपनी अनुमति प्रदान की थी। गुरुवार की दोपहर को हुई प्रतियोगिता में 17 राज्यों मेजबान छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, तेलांगना, आंध्रप्रदेश, गोवा, पोड़ीचेरी और तमिलनाडु के 400 खिलाड़ियों और 100 आफिशियल्स ने हिस्सा लिया है। इनके लिए आवास की व्यवस्था खंडेलवाल भवन, कल्चुरी भवन और सरकंडा में की गई है।

नन्हें बच्चों ने दिखाया हैरत अंगेज खेल

मल्लखंभ भारत का एक पारंपरिक खेल है, जिसमें खिलाड़ी लकड़ी के एक उर्ध्व खंभे या रस्सी के ऊपर तरह-तरह के करतब दिखाते हैं। प्रयुक्त खंभ को मल्लखंभ कहा जाता है। इस प्रतियोगिता के उद्घाटन के बाद छत्तीसगढ़, केरल, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के नन्हें-नन्हें बच्चों के मल्लखंभ और रस्सी में करतब दिखाने का खेल शुरु हुआ, जिनके हैरत अंगेज खेल को देखकर मैदान में मौजूद लोगों के होश उड़ गए। प्रतियोगिता के शुरुआत में महाराष्ट्र के एक 6 वर्षीय बालक मल्लखंभ में करतब दिखाने के दौरान अचानक गिर गया, जिससे उसके छाती में चोट पहुंची।

Scanned with CamScanner

मलखंभ में बच्चों ने दिखाया हुनर

शहर के त्रिवेणी भवन में शुरू हुई 32वी राष्ट्रीय मलखंब प्रतियोगिता

- 19 राज्यों की 500 बालक/ बालिकाएं भाग ले रहे हैं इस स्पर्धा में

- नवभारत रिपोर्टर | बिलासपुर.
www.navabharat.org

शहर के व्यापार विहार स्थित त्रिवेणी भवन में 32वीं राष्ट्रीय ओपन मलखंभ प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. इस स्पर्धा में सब जूनियर 1 और सब जूनियर 2 शुरू की गई है. प्रतियोगिता में देशभर के 19 राज्यों के 5 सौ बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग लेने के लिए आए हुए हैं. इस प्रतियोगिता का उद्घाटन गुरूवार को अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति गौरीदत्त शर्मा ने किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिपं अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान ने की. छत्तीसगढ़ मलखंभ समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद शुक्ला, सचिव आर के शर्मा ने बताया कि भारतीय मलखंब फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ को इस आयोजन की मेजबानी सौंपी है. इसमें छत्तीसगढ़ सहित देश के 19 राज्यों के लगभग 500 बालक व बालिकाएं भाग ले रहे हैं, उनके साथ अधिकारीगण और कोच भी आए हुए हैं. बुधवार की देर रात शहर में हुई बारिश से इस प्रतियोगिता में व्यवधान पड़ा लेकिनं आयोजकों ने बारिश से खराब हुए मैदान को सुधार लिया है.

पोल एवं रोप मलखंभ उपकरण पर स्पर्धा हुई

इस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तराखंड, गोवा, पांडीचेरी, बिहार, झारखण्ड, आंध्रप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, तेलंगाना, उत्तराखण्ड, आदि राज्यों के खिलाड़ी शामिल हुए हैं. पहले दिन दोपहर 3 बजे पोल मलखंभ एवं रोप मलखंभ पर बालक एवं बालिकाओं की प्रतियोगिता हुई.

Scanned with CamScanner

मलखंभ • पोल और रोप मलखंभ में 5 खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर तय होगी जीत

राष्ट्रीय प्रतियोगिता शुरू, पहले दिन टीम मुकाबले में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

स्पोर्ट्स रिपोर्टर | बिलासपुर

32 वीं राष्ट्रीय मलखंब प्रतियोगिता सब जूनियर प्रथम व द्वितीय छत्तीसगढ़ मलखंभ संघ बिलासपुर की मेजबानी में व्यापार विहार स्थित त्रिवेणी भवन में गुरुवार से शुरू हुई। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जीडी शर्मा, अध्यक्ष जिला पंचायत बिलासपुर के अध्यक्ष अरुण चौहान, विशिष्ट अतिथि अनिल टाह, डॉ. रमेश इंडोलिया, डॉ. अजय झा, , दिलीप गवाने, एनवी कुराणे, प्रेमचंद शुक्ला, डॉ. राजकुमार शर्मा, रामपुरी गोस्वामी थे। इस दौरान मुख्य अतिथि शर्मा ने खिलाड़ियों को प्राचीन भारतीय खेल में भाग लेने के लिए उत्साहित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रतिभा को देखकर उनकी तारीफ करते हुए हौंसला बढ़ाया। भारतीय मलखंब फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी सौंपी है। इसमें छत्तीसगढ़ सहित देश के 15 राज्यों से 500 बालक व बालिकाएं हिस्सा ले रहे हैं। इस आयोजन को सफलता पूर्वक कराने के लिए 100 अधिकारी और कोच आए हुए हैं। इस संबंध में छत्तीसगढ़ मलखंभ संघ के महासचिव डॉ. राजकुमार मिश्रा ने बताया कि पोल मलखंभ और रोप मलखंभ की प्रतियोगिताएं शुरू हो गई है। शुक्रवार को टीम मैच खत्म हो जाएंगे। इसके बाद व्यक्तिगत प्रतियोगिता शुरू होगी। इस दौरान फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. रमेश इंडौलिया, कोषाध्यक्ष दिलीप गवानी, महासचिव अजय झा, कंपटीशन डायरेक्टर रवि परिहार, राहुल चौकसी, हेमंत, विश्वजीत मोहिते, के. जनार्दन सहित अन्य उपस्थित थे।

उद्घाटन समरोह के बाद एक इवेंट के दौरान खिलाड़ी आसन का प्रदर्शन करते हुए।

पदक पाने वाले खिलाड़ियों को 1.20 लाख रुपए का छात्रवृत्ति मिलेगा: प्रतियोगिता में व्यक्तिगत प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने के अलावा एपरेटस चैंपियनशिप के नाम से एक मेडल दिया जाएगा। यह पदक पाने वाले खिलाड़ियों को भारत सरकार के तरफ से 1.20 लाख रुपए की छात्रवृत्ति दिया जाएगा।

डेढ़ मिनट में 16 आसन करने पर जीत

प्रतियोगिता में बालिका वर्ग अंडर-12 व 14 के लिए रोप मलखंभ कराया गया है। जबकि बालक अंडर-12 व 14 वर्ग के लिए पोल मलखंभ है। दोनों इवेंट में 1.30 मिनट में 165 आसन करने होते हैं। रोप मलखंभ में क्रास, सादा आड़ी, बजरंगी, नटराज आसन, 360 डिस्माउंट और पोल मलखंभ में हैंड स्टैंड, दसरंग, मयूरासन, कुर्म आसन, पेट प्लेन, हनुमान ध्वज करना होता है। अभी टीम मैच चल रहा है, एक टीम में 6 खिलाड़ी है जिनमें से 5 खिलाड़ियों के अंक जुड़ेंगे।

ओलिंपिक खेल की तरह मलखंभ को तवज्जो

मलखंभ भारत का प्राचीन खेल है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मलखंभ को स्थापित करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए देशभर के 105 पदक विजेता खिलाड़ियों को नगद छात्रवृत्ति देने के साथ ही देशभर के लिए पांच कोच नियुक्त किए गए हैं। केंद्र सरकार इनको सैलरी देकर देश के विभिन्न जगहों पर खुले 100 सेंटर जहां 100-100 खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। ओलिंपिक खेल की तरह सरकारी नौकरी में भी इसको महत्व दिया जा रहा है।

Scanned with CamScanner

मलखंभ स्पर्धा में 17 राज्यों के खिलाड़ी दिखा रहे दम

बिलासपुर। राष्ट्रीय मलखंभ प्रतियोगिता सब जूनियर एक और सब जूनियर दो व्यापार विहार स्थित त्रिवेणी भवन परिसर में गुरुवार को शुरू हुई। अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.गौरी दत्त शर्मा ने इसका शुभारंभ किया। भारतीय मलखंभ फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ को इस आयोजन की मेजबानी सौंपी है। इसमें छत्तीसगढ़ समेत देश के 17 राज्यों के करीब 500 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उनके साथ 100 से भी अधिक अधिकारी और कोच यहां पहुंचे हुए हैं। बुधवार देर रात हुई बारिश से इस प्रतियोगिता में व्यवधान जरूर पड़ा। लेकिन, आयोजकों ने बारिश से खराब हुए मैदान को तत्काल सुधार कर ठीक कर दिया। ● **जितेंद्र रात्रे**

Scanned with CamScanner